

उत्तर प्रदेश 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर में प्रवेश करेगा

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अनुसार, उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। राज्य 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने की ओर अग्रसर है।

मुख्य बटु:

- पछिले साढ़े छह वर्षों के योजनाबद्ध प्रयासों से वर्तमान में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था सबसे अच्छी स्थिति में है।
- राज्य का कुल सकल राज्य घरेलू उत्पाद, जो वर्ष 2021-22 में ₹16.45 लाख करोड़ था, अब वर्ष 2022-23 में बढ़कर ₹22.58 लाख करोड़ से अधिक हो गया है।
 - राष्ट्रीय आय में 9.2% योगदान के साथ उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है, जो देश के आर्थिक विकास के मुख्य चालक के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।
 - वर्ष 2021-22 में वर्तमान और स्थिर कीमतों पर उत्तर प्रदेश की विकास दर क्रमशः 20.1% तथा 9.8% थी, जबकि देश की विकास दर 18.4% तथा 9.1% थी।
 - इसी प्रकार, वर्ष 2022-23 में, राज्य की विकास दर 9.8% के मुकाबले स्थिर कीमतों की राष्ट्रीय वृद्धि दर 7.2% दर्ज की गई, जबकि इस अवधि के दौरान राज्य की मौजूदा कीमतों की वृद्धि दर 14.3% दर्ज की गई।
- डिजिटल कर्षण सर्वेक्षण जैसी पहलों को सफलतापूर्वक लागू करने के साथ अर्थव्यवस्था के प्राथमिक खंड में सुधार के लिये डिजिटल प्रौद्योगिकी को शामिल किया गया है।
 - वर्ष 2021-22 में गन्ने की खेती का क्षेत्र और उत्पादन 26.8% बढ़ गया, जबकि बागवानी फसल उत्पादन में 31.9% की पर्याप्त वृद्धि देखी गई।
 - उत्तर प्रदेश में दलहन और तिलहन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के उद्देश्य से राज्य प्रायोजित योजनाओं के अनुकूल परिणाम मिल रहे हैं। हालाँकि, फसल विविधीकरण को और बढ़ाने तथा आपूर्ति शृंखला प्रबंधन में सुधार करने की आवश्यकता है।
- दुग्ध उत्पादन में प्रदेश ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, अंडा उत्पादन में प्रगतिके मामले में यह 12.80% की वार्षिक वृद्धि दर हासिल करके तीसरे स्थान पर है।
- उत्तर प्रदेश ने होटल/रेस्तरां, परिवहन, संचार, रियल एस्टेट, पेशेवर सेवाओं, सार्वजनिक सेवाओं, रक्षा और अन्य सेवाओं में वृद्धिके सांख्यिक क्षेत्र में तेज़ी से विकास हासिल किया। पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी सेवाओं में अभूतपूर्व विकास हुआ है।
 - वर्ष 2023 में भारत सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश को वर्ष 2022 में सबसे अधिक पर्यटक आगमन का गौरव प्राप्त हुआ। वित्तीय वर्ष 2022-23 में, राज्य ने 31.8 करोड़ से अधिक पर्यटकों का स्वागत किया, जिसमें वाराणसी, मथुरा और अयोध्या प्रमुख केंद्र बनकर उभरे।
 - घरेलू पर्यटकों की सुवर्धिका अलावा, विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये एक व्यापक कार्य योजना विकसित करना अनिवार्य है और इसके लिये संभावित देशों की पहचान करने तथा उचित नीतियाँ बनाने की आवश्यकता है।
- योजना विभाग के प्रधान सचिव एवं वित्तीय परामर्श कंपनी डेलॉयट के प्रतिनिधियों ने राज्य के वर्तमान आर्थिक परिवेश के विषय में विसृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने वर्तमान स्थिति और संभावित भविष्य के परिणामों, उद्योग की अपेक्षाओं तथा क्षेत्र-वार अन्य प्रासंगिक विवरणों के विषय में विसितार से बताया।
- वर्ष 2027 तक 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य तक पहुँचने के लिये यह ज़रूरी है कि सभी विभाग अपने प्रयासों को बढ़ाएँ। जिसके लिये बेहतर योजना और समन्वय की आवश्यकता है।